TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

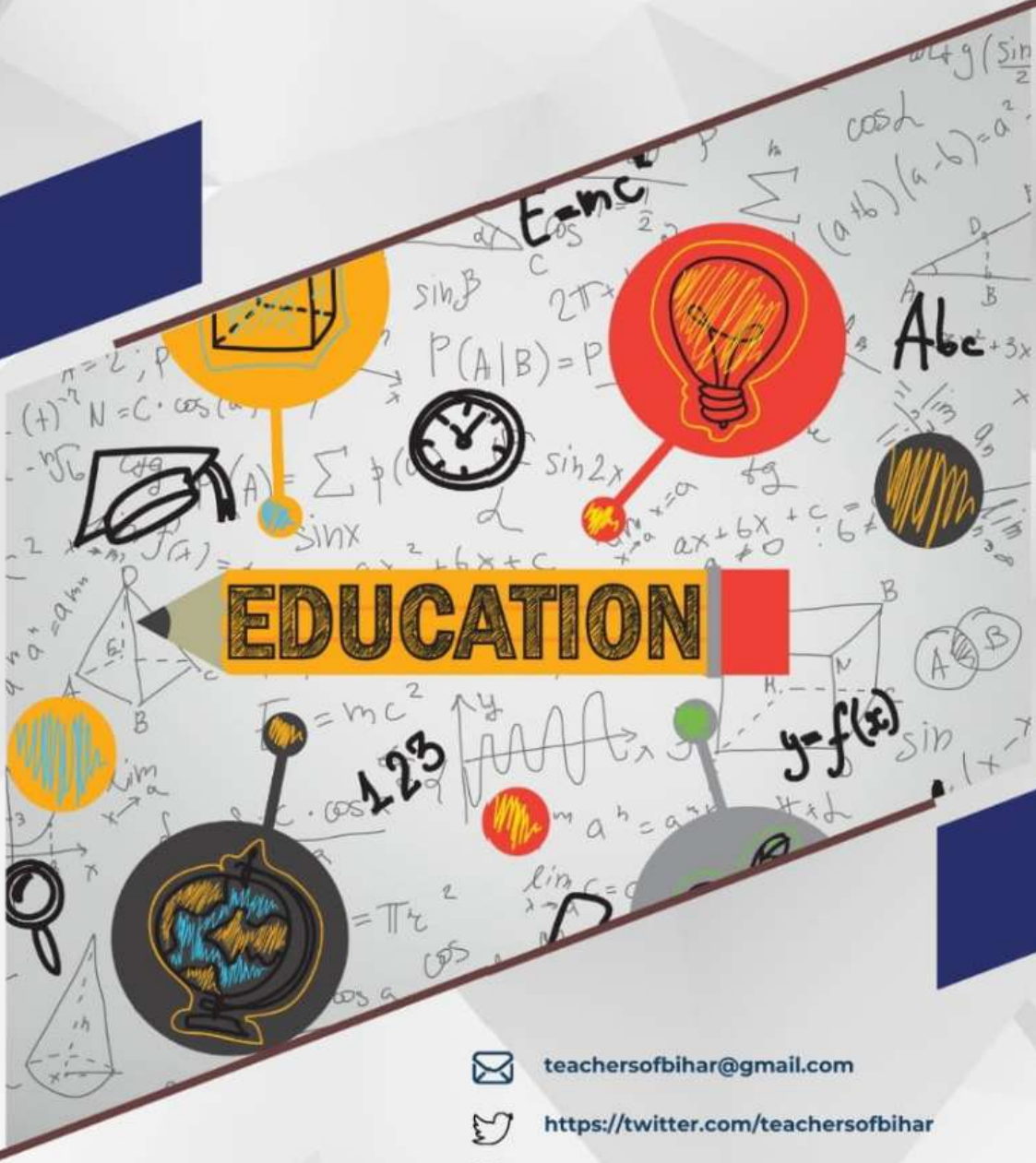

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

10 दिसम्बर 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जीवन की ज़रूरतों को हासिल करना हर एक व्यक्ति का समान अधिकार है। यह अधिकार पशुओं और पक्षियों का भी है।

महात्मा गांधी

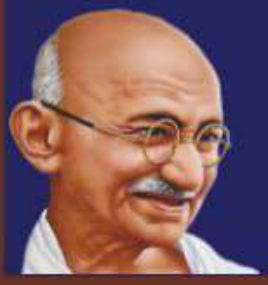

राकेश कुमार

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

10 दिसम्बर

Monday

1. **मानवाधिकार दिवस–** प्रत्येक व्यक्ति को जीवित रहने, स्वतंत्र रहने, बराबरी और सम्मान पाने का अधिकार होता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 दिसम्बर, 1948 ई. को 'मानवाधिकार पर वैश्विक घोषणा पत्र' जारी किया था। इसके बाद प्रतिवर्ष 10 दिसम्बर को मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। इसका मकसद दुनिया भर के लोगों का ध्यान मानवाधिकारों की ओर खींचना है ताकि हर देश और समुदाय में सभी को एक नज़र से देखा जाए।
2. **अल्फ्रेड नोबेल की मृत्यु–** नोबेल पुरस्कार के संस्थापक अल्फ्रेड बर्नहार्ड नोबेल का निधन 10 दिसम्बर, 1896 ई. इटली के सैनरेमो में हुआ था। उन्होंने डायनामाइट नामक प्रसिद्ध विस्फोटक का अविष्कार किया था। इनकी समाधि स्थल स्टॉकहोल्म, स्वीडेन में है। उनके स्मृति दिवस पर ही नोबेल पुरस्कार विजेताओं को मेडल, प्रशस्तिपत्र और पुरस्कार की राशि प्रदान की जाती है।
3. **चक्रवर्ती राजगोपालचारी का जन्म–** चक्रवर्ती राजगोपालचारी जिन्हें 'राजाजी' के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म 10 दिसम्बर, 1878 ई. को हुआ था। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम भारतीय गर्वनर जनरल थे। वे 10 अप्रैल 1952 ई. से 13 अप्रैल, 1954 ई. तक मद्रास प्रांत के मुख्यमंत्री रहे। वे शुरूआत में दक्षिण भारत में कांग्रेस के प्रमुख नेता थे। बाद में उन्होंने स्वतंत्रपार्टी की स्थापना की। वे एक जानेमाने वकील, लेखक, राजनीतिज्ञ और दार्शनिक थे। वे गांधी जी के समधी भी थे, क्योंकि राजाजी की पुत्री लक्ष्मी का विवाह गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी से हुआ था। वर्ष 1954 ई. में इन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया था।

बतूता का जूता

इब्न बतूता पहन के जूता,
निकल पडे तूफान में।
थोडी हवा नाक में घुस गई,
थोडी घुस गई कान में।
कभी नाक को कभी कान को,
मलते इब्न बतूता,
इसी बीच में निकल पडा
उनके पैरों का जूता।
12 / 28
उडते–उडते उनका जूता,
जा पहुंचा जापान में।
इब्न बतूता खड़े रह गए,

दिवस विशेष

10 दिसंबर

मधु प्रिया

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस

10 नवंबर

हर वर्ष **10** दिसंबर को दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। सबसे पहले **10** दिसंबर **1948** में पहली बार संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों को अपनाने की घोषणा की। हालांकि आधिकारिक तौर पर इस दिन की घोषणा वर्ष **10** दिसंबर **1950** में की गई। संयुक्त राष्ट्र ने सभी देशों को **1950** में आमंत्रित किया, जिसके बाद असेंबली ने **423** रेज्योल्यूशन पास कर सभी देशों और संबंधित संगठनों को इस दिन को मनाने की सूचना जारी की थी।मानवाधिकार दिवस मनाने का मकसद लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। मानवाधिकार में स्वास्थ्य, आर्थिक सामाजिक और शिक्षा का अधिकार भी शामिल हैं। मानवाधिकार वे मूलभूत अधिकार हैं जिनसे मनुष्य को नस्ल, जाति, राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग आदि के आधार पर प्रताड़ित नहीं किया जा सकता और उन्हें सुविधा देने से वंचित नहीं किया जा सकता।

इस साल अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस की थीम है-"सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय" (Freedom, Equality and Justice for All) है। हमारे देश में 28 सितंबर 1993 से मानवाधिकार कानून अमल में आया और सरकार ने 12 अक्टूबर को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन किया।

Teachers of Bihar
The change makers

जयंती

विशेष 10 दिसम्बर

राकेश कुमार

महान स्वतंत्रता सेनानी
व दार्शनिक

भारत रत्न

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी जी

को उनकी जयंती पर
कोटिश: नमन्

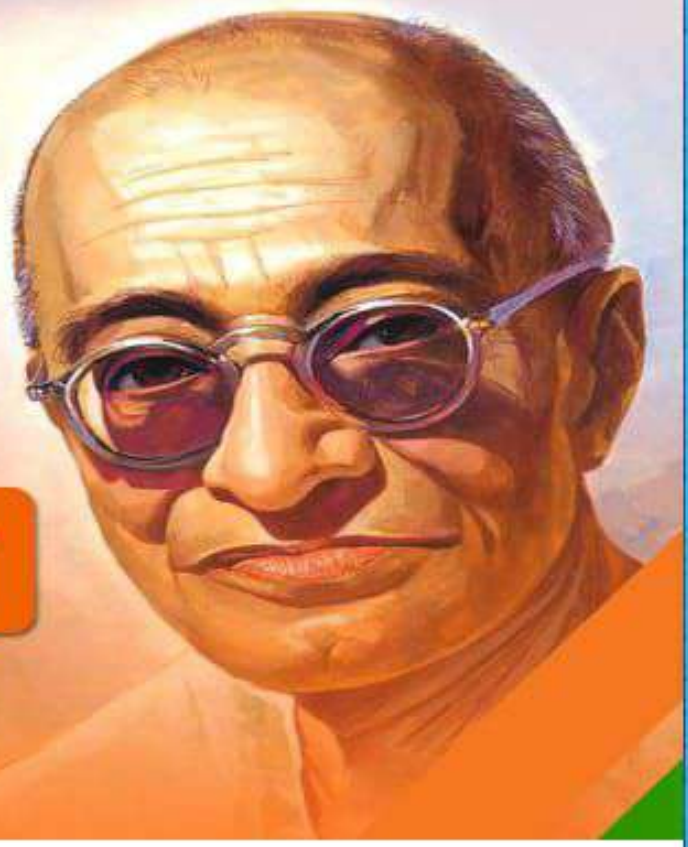

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी *Chakravarti Rajagopalachari*, जन्म: 10 दिसंबर, 1878; मृत्यु: 28 दिसम्बर, 1972) भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष थे, जो **राजाजी** के नाम से भी जाने जाते हैं। राजगोपालाचारी वकील, लेखक, राजनीतिज्ञ और दार्शनिक थे। वे स्वतन्त्र भारत के द्वितीय गवर्नर-जनरल और प्रथम भारतीय गवर्नर-जनरल थे।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 10.12.2024

विश्व मानवाधिकार दिवस

विश्व मानवाधिकार दिवस प्रत्येक वर्ष 10 दिसम्बर को मनाया जाता है। इस महत्त्वपूर्ण दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। 'संयुक्त राष्ट्र संघ' की महासभा ने 10 दिसम्बर, 1948 को सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणापत्र को अधिकारिक मान्यता प्रदान की थी। तब से यह दिन इसी नाम से याद किया जाने लगा। किसी भी इंसान की ज़िंदगी, आज़ादी, बराबरी और सम्मान का अधिकार है- "मानवाधिकार"।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

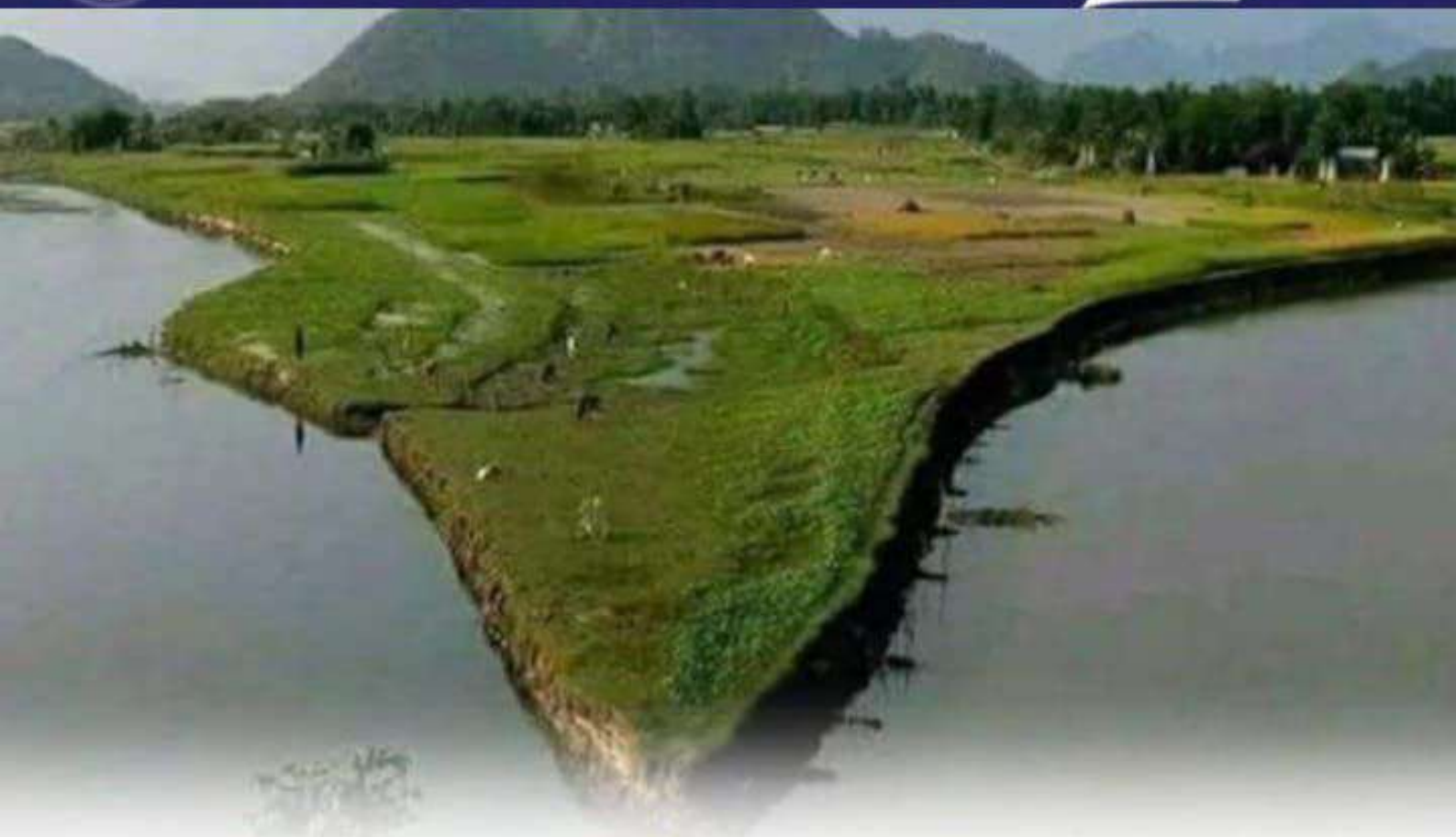

असम में एक जगह है जिसका नाम बॉन्गाइगांव है। वहाँ दो नदियाँ मिलती हैं, एक का नाम चंपावती है और दूसरी का नाम ब्रह्मपुत्र। जब ये दोनों नदियाँ मिलती हैं तो जो नज़ारा बनता है, वो बिल्कुल हमारे भारत के नक्शे जैसा लगता है।"

TOB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

क्रिकेट में हाइब्रिड मॉडल क्या है?

- हाइब्रिड मॉडल क्रिकेट में एक अपेक्षाकृत नया नियम है और पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2023 विवाद के कारण चर्चा में रहा था।

- भारत ने तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों और सुरक्षा मुद्दों के कारण एशिया कप के मेजबान पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर दिया। बदले में पाकिस्तान ने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप का बहिष्कार करने की धमकी दी।

- पीसीबी ने एक हाइब्रिड मोड का प्रस्ताव रखा, जिसमें भारत से जुड़े मैच पाकिस्तान के बाहर श्रीलंका या बांग्लादेश जैसे तटस्थ क्षेत्रों में खेले जाएंगे।

- दोनों देशों ने शुरू में हाइब्रिड मॉडल को अस्वीकार कर दिया था, लेकिन काफी विचार-विमर्श के बाद श्रीलंका ने भारत के एशिया कप खेलों की मेज़बानी करने पर सहमति जताई है। भारत के मैचों के लिए यूएई को भी संभावित स्थल के रूप में चुना गया था। भारत भी इस मॉडल के लिए बहुत उत्सुक नहीं था, लेकिन बीसीसीआई अध्यक्ष जय शाह ने कथित तौर पर पीसीबी की शर्तों को स्वीकार कर लिया है।

- इस प्रकार, हाइब्रिड मॉडल के माध्यम से, पाकिस्तान एशिया कप की मेजबानी के अधिकार को बरकरार रखता है, जबकि भारत अपने मैच श्रीलंका में खेलता है, जो दोनों देशों के दृष्टिकोण से एक तटस्थ स्थल है।

- फाइनल भी श्रीलंका में ही खेला जाएगा। भारत के अलावा सभी मैच पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पाकिस्तान में ही खेले जाएंगे।

- यह योजना पीसीबी प्रमुख नजम सेठी द्वारा तैयार की गई थी।

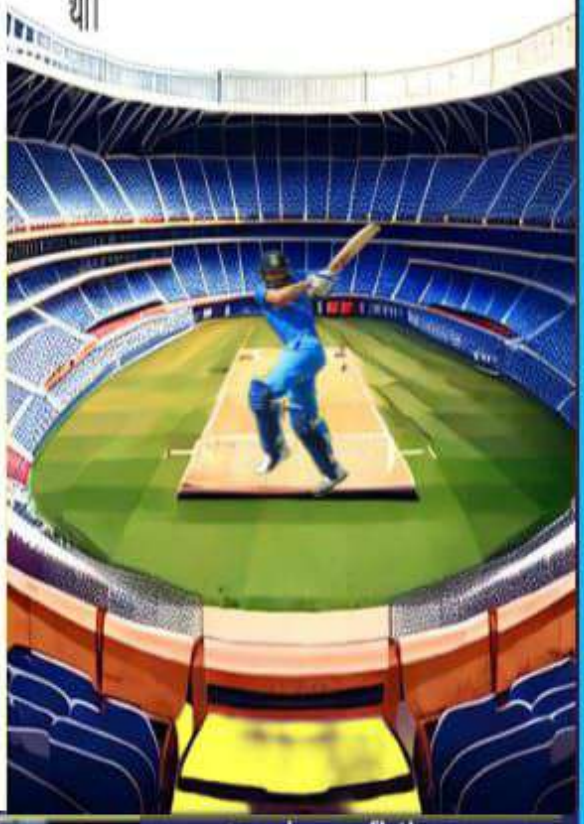

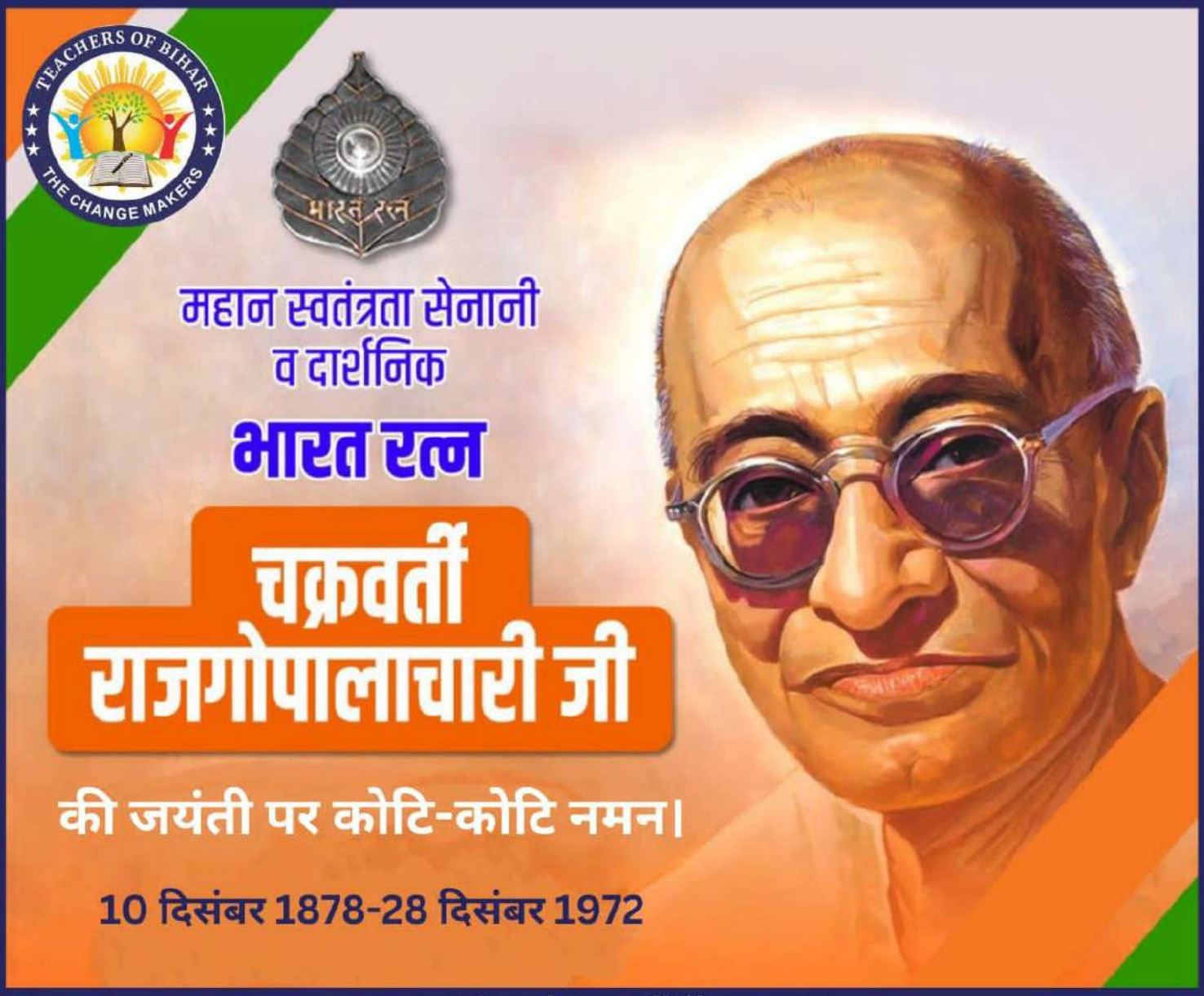

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
भारत रत्न
महान स्वतंत्रता सेनानी
व दार्शनिक
भारत रत्न
चक्रवर्ती
राजगोपालाचारी जी
की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।
10 दिसंबर 1878-28 दिसंबर 1972
Madhu priya
www.teachersofbihar.org

10 दिसंबर

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं।

Madhu priya

www.teachersofbihar.org